



अति. आवश्यक

राजस्थान सरकार
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग
(पंचायती राज)

क्रमांक एफ.4 (441) मरावि/पीसी/MJSA/2017/1787

जयपुर, दिनांक 5/7/17

1. जिला कलक्टर,
जिला समस्त
2. मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
जिला परिषद समस्त।

विषय :- मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण कार्य करवाने बाबत।

महोदय,

अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन एवं पर्यावरण, विभाग द्वारा अपने अ.शा.पत्र क्रमांक एफ 5 (11) APCCA/SC/207-18 दिनांक 29.9.17 के द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में राज्य में वृक्षारोपण करने एवं अ.शा. पत्र दिनांक 3.7.17 के द्वारा राज्य के प्रत्येक जिले, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत में दिनांक 10.7.17 को वन महोत्सव आयोजित करने, स्थान चयन, वृक्षों के चयन, वृक्षों के रख-रखाव, वन महोत्सव अभियान की रूप रेखा आदि के संबंध में विस्तार से स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं (प्रतिलिपि संलग्न)।

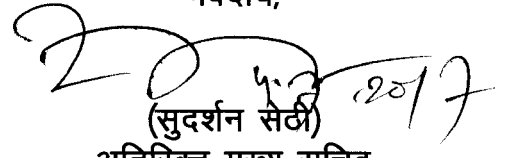
वर्ष 2017 में वृक्षारोपण करने एवं दिनांक 10.7.17 को वन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित करने के क्रम निम्न कार्यवाही करना सुनिश्चित करावे -

1. मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान अन्तर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति द्वारा वृक्षारोपण के संबंध में आवश्यक तैयारिया सुनिश्चित की जावे।
2. जिले में वर्षाकाल प्रारम्भ हो चुका है, जिसको देखते हुये वृक्षारोपण का कार्य 1 जुलाई 2017 से तेजी से प्रारम्भ हो तथा साथ ही किसी स्थानीय क्षेत्र में जहां बारिश शुरू नहीं हुई है, वृक्षारोपण कार्य को तब तक स्थगित /आगे बढ़ाया जावे जब तक बारिश नहीं हो।
3. 10 जुलाई 2017 को प्रत्येक ग्राम पंचायत में वन महोत्सव का आयोजन होना सुनिश्चित करावे। इस कार्यक्रम में विभिन्न जन प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं स्थानीय जनता को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जावे। इस कार्य में वन अधिकारियों, शिक्षकों, चिकित्सा कर्मियों, आशा एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता, कृषि एवं अन्य विभागों / संस्थाओं के कर्मियों को भी अनिवार्य रूप से आमंत्रित कर जोडा जावे।
4. वन महोत्सव में जिला कलक्टर (समस्त)/मुख्य कार्यकारी अधिकारी(समस्त) अपने अधीनस्थ, ग्राम पंचायत, ग्रामीण समिति, गैर सरकारी संस्था, कॉरपोरेट संस्था, धार्मिक संस्था आदि को अनुरोध कर वन महोत्सव को सफल बनाना सुनिश्चित करे।
5. जिले में जल संग्रहण एवं तालाबों आदि के चारों ओर वृक्षारोपण कर कार्य किया जावे, जिसके लिए व्यक्तिशः, गैर सरकारी संस्था, ग्राम पंचायत, ग्रामीण समितियां, धार्मिक संस्था, कॉरपोरेट संस्था आदि को 5 से 10 पौधे लगाने एवं उनके रख-रखाव की जिम्मेदारी हेतु प्रेरित करे।

6. मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान अन्तर्गत 60 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। सम्पूर्ण राज्य में कुल 3 करोड पेड लगाये जाने है। तदनुसार आपके जिले को वन विभाग द्वारा आवटित लक्ष्यो के अनुसार वृक्षारोपण कार्य सुनिश्चित करे। वन विभाग द्वारा इस कार्य हेतु 1 रूपये प्रति पौधे की दर से पौधे उपलब्ध कराये जावेंगे।
7. वन महोत्सव हेतु वन विभाग की पौधशाला द्वारा वृक्ष निशुल्क उपलब्ध कराये जावेंगे। वृक्षारोपण कार्य में घने, बडे एवं गुणवत्ता पूर्ण वृक्षो का रोपण किया जावे। आपके जिले की वन विभाग की पौधशाला में इस प्रकार के वृक्ष उपलब्ध नहीं होने पर निजी पौधशाला अथवा पड़ोसी राज्य से नियमानुसार वृक्षो का कय किया जा कर वृक्षारोपण कार्य किया जावे।
8. महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत वृक्षारोपण कार्य कराने हेतु निर्देशित करावे।
9. वृक्षारोपण, महत्व, रख-रखाव आदि बाबत छात्रो की रेली, पम्पलेट वित्ररण, बेनर्स, प्रतियोगिताएं आयोजित करना जैसी गतिविधियां भी आयोजित की जावे। व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जावे। **वृक्षारोपण के दौरान उपस्थित सहभागियों द्वारा संलग्न विवरण के अनुसार शपथ ली जावेगी।**
10. क्षेत्र की जलवायु एवं अन्य भौगोलिक प्रकृति को देखते हुये लगाये जाने वाले वृक्षो का प्रकार / चयन किया जावे।
11. उपरोक्त निर्देशा की प्रति प्रत्येक जन प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करावे। वृक्षारोपण के कार्य की प्रगति से नियमित रूप से विभाग एवं वन विभाग को भी सुचित किया जावे।

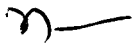
इस सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करावे।

**संलग्न :- शपथ का प्रारूप एवं
वन विभाग द्वारा जारी 2 पत्र**

भवदीय,

(सुदर्शन सेठी)
अतिरिक्त मुख्य सचिव

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. निजी सचिव, अति. मुख्य सचिव, वन विभाग।
2. निजी सचिव, अति. मुख्य सचिव, ग्रा.वि. एवं पंरावि।
3. निजी सचिव, शासन सचिव एवं आयुक्त, पंराज।
4. निजी सचिव, शासन सचिव एवं आयुक्त, महात्मा गांधी नरेगा योजना।
5. निजी सहायक, आयुक्त, जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग।
6. उप वन संरक्षक, जिला समस्त।
7. अधीक्षण अभियन्ता, जल ग्रहण एवं भू-संरक्षण विभाग, जिला परिषद समस्त।
8. विकास अधिकारी, पंचायत समिति समस्त


(मुकेश माहेश्वरी)
अधीक्षण अभियन्ता



NIHAL CHAND GOEL
ADDITIONAL CHIEF SECRETARY

FOREST & ENVIRONMENT,
TOURISM, ART & CULTURE DEPARTMENT
GOVERNMENT OF RAJASTHAN,
ROOM NO.1139 (MAIN BUILDING)
GOVT. SECRETARIAT, JAIPUR-302005.
0141-2227660 (OFF)
5153222-223 EXT.21531

D.O.No.F.5(11) APCCF/SC/2017-18
Jaipur, June 29, 2017

Dear Collector,

As was advised during the VC on MJSA held on 27.6.2017, please note the following:

1. Plantation program is an integral component of MJSA and should be implemented and monitored with all the seriousness that it deserves.
2. About 300 lakh plants of various species are available in forest nurseries, details of which have already been communicated to you by PCCF on 1.6.2017.
3. Wherever a meeting of the District Level Coordination Committee for plantation under MJSA has not been held, it should be held immediately so that all concerned departments and agencies understand their role and responsibility very clearly and there is no confusion on the ground.
4. It is important that tall and quality plants are planted under the Abhiyan. Therefore, if forest nurseries in any local area do not meet the requirement in terms of quality or quantity, plants can be purchased from private nurseries or neighbouring States.
5. Under MJSA-I, over 25 lakh plants were planted, but under MJSA-II, our target is to plant at least 60 lakh plants and there is a little change in the strategy.
6. Under the leadership and guidance of concerned Collector, Forest department will take up and maintain:-
 - (i) 3674 plantation to be done under converged forestry works,
 - (ii) 940 Vriksh Kunj, and
 - (iii) 69 urban afforestation sites indentified under MJSA (Urban).
7. This means that for each of the water storage structures created under MJSA-II, other than those where Forest department will be raising Vriksh Kunj, Collectors will have to identify and mobilize interested individuals, NGOs, gram panchayats, various village level societies, social and religious organizations

and/or corporate houses, to plant at least 5-10 plants and take the responsibility of maintaining them. For this purpose, forest department will provide the plants at the cost of Re.1 each. Labour and fencing material, etc. will be arranged by concerned individuals/groups/organizations and, wherever necessary, Collector may assist them with these through NREGA.

8. To enhance public participation in the programme, State-wide Van Mahotsava will be organized at State, District, Block and Panchayat level, for which date will be communicated separately.
9. Meanwhile, as already advised, plantation programme should start in full swing from 1st July, 2017 as State has already received first monsoon rain. However, in any local area where there has been no rain so far, it is allowed to postpone the plantation activities until the first rain.

With best wishes.

Yours sincerely,



(Nihal Chand Goel)

Copy forwarded to following for information and necessary action :-

1. ACS, PHED, Rajasthan, Jaipur.
2. Pr. Secretary, Agriculture & Horticulture, Rajasthan, Jaipur.
3. Pr. Secretary, Local Self Government, Rajasthan, Jaipur.
4. Pr. Secretary, Water Resources, Rajasthan, Jaipur.
5. Principal Chief Conservator of Forests (HoFF), Rajasthan, Jaipur.
6. Secretary, Panchayati Raj Department, Rajasthan, Jaipur.
7. Secretary, Rural Development, Rajasthan, Jaipur.
8. Secretary, Forest Department, Rajasthan, Jaipur.
9. All District Incharge Principal Secretaries/Secretaries.
10. Divisional Commissioners.
11. Commissioner, Mahatma Gandhi NREGA.
12. Commissioner, Watershed Development & Soil Conservation.
13. All Chief Conservator of Forests.
14. All Dy. Conservator of Forests.

Copy forwarded to following for information:-

1. Chairman, Rajasthan River Basin & Water Resource Planning Authority,
2. Addl. Chief Secretary, Forests & Environment.
3. Addl. Chief Secretary, Rural Development & Panchayati Raj.



ACS, Forests



NIHAL CHAND GOEL
ADDITIONAL CHIEF SECRETARY

FOREST & ENVIRONMENT,
TOURISM, ART & CULTURE DEPARTMENT
GOVERNMENT OF RAJASTHAN,
ROOM NO.1139 (MAIN BUILDING)
GOVT. SECRETARIAT, JAIPUR-302005.
0141-2227660 (OFF)
5153222-223 EXT.21531

D.O.No.F.5(11) APCCF/SC/2017-18
Jaipur, July 3, 2017

Sub: -Celebration of *Van Mahotsava* in MJSA-2 villages/towns.

Dear Collector,

Mukhyamantri Jal Swavlamban Abhiyan (MJSA-2) is being implemented in 4200 villages, in order to enhance water security and livelihoods resilience, in our water-scarce State. Under MJSA-2, besides creation of over one lakh water conservation structures, 60 lakh plants are to be planted to increase the green cover in MJSA-2 villages/towns. In this connection, necessary instructions have already been issued vide my D.O. No. F-5(11)APCCF/SC/2017-18 dated 29-06-2017.

Now, to further promote green cover in MJSA-2 villages, a State-wide grand celebration of *Van Mahotsava* has been planned for July 10th, 2017. State-level *Van Mahotsava* would be held in Jaipur district at Beed Govindpura, Kalwad Road, Panchayat Samiti Jhotwara on July 10th 2017, at 10.30 AM, where Hon'ble Chief Minister would be the Chief Guest.

Simultaneously, on 10th July, 2017, *Van Mahotsava* celebrations will be held across the State in each District, Block and Gram Panchayat, with a focus on MJSA-2 villages. In this connection, the following actions and activities may please be ensured:

1. *Van Mahotsava* is to be organized in each District, Block and Gram Panchayat at an identified Vriksh Kunj site, MJSA Urban afforestation site or converged forestry plantation site in MJSA villages, as appropriate.
2. It is necessary that tall and healthy plants of appropriate species are arranged for *Van Mahotsava*.
3. Although selection of species depends on soil, silvicultural and locality factors, however, it would be a good idea to incorporate multifunctional and multiple use species such as Shahtoot, Neem, Imli, Mahua, Bamboo, C.P. Teak, Kathal, Bel, Tulsi, Bargad, Pipal, Gular, Rohida, Arjun, flowering trees, as appropriate.

4. For each Vriksh Kunj and Urban afforestation site, a committee headed by local MP, MLA or other public representatives is to be constituted. The Committee should adopt the plantation to oversee and manage it sustainably in future.
5. Rajasthan is well-known for its sacred groves (locally known as Orans or Dev Van), a large number of which are located in forest areas. These groves have sustained a healthy state of vegetation and biodiversity, mainly because of the sanctified vegetation, deities and associated traditional conservation practices by local communities. This long-held traditional ecological knowledge (TEK) and associated public support need to be harnessed for the protection of Vriksh Kunj & Urban afforestation sites.
6. In addition, municipalities and other local bodies are expected to carry out plantations along the urban road sides. Such avenue plantations should be developed by planting one particular species or a planned combination of 2 or 3 species on particular roads. This will create, for example, uniform avenues of Amaltash, Gulmohar, Jackranda, Kachnar or Indian Lilac (Bakain Neem), among others.
7. Public representatives can and must play a vital and leading role in success of the *Van Mahotsava*. It is necessary, therefore, to seek their guidance and inputs to sensitize the masses regarding raising and conservation of trees. Ideally, for each of the Van Mahotsava sites, wide publicity be done and Hon'ble Ministers, MPs, MLAs, Zila Pramukhs, Pradhans, Sarpanch and other public representatives as also influential and reputed persons be invited, along with the general public, to participate in the planting ceremony.
8. In order to increase awareness on forests and environment, various IEC activities including rallies of school children, distribution of pamphlets, banners and quiz competitions may be organized at District, Block and Panchayat levels.
9. All Collectors have to seek active involvement and participation of Non-Government Organisations and general public as also Forest officials, teachers, ANMs, Asha and Anganbadi karyakartas, Agriculture Extension officials and other Government functionaries.
10. On the occasion of Van Mahotsava, all participants are to be invited to take an oath for conservation of forests and environment. The text of the same is attached herewith.
11. All the plants for use during Van Mahotsava will be supplied free of cost by the Forest Department. All other expenditure of Van Mahotsava ceremonies would be met from IEC component of MJSA-2.

12. All collectors will contact Minister-in-charge and Secretary-in-charge of their district, ensure that all arrangements as indicated above are made Van Mahotsava is celebrated in a befitting and effective manner throughout their district and receives wide publicity through various media.

With best wishes.

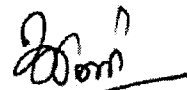
Yours sincerely,



(Nihal Chand Goel)

Copy forwarded to following for information and necessary action:-

1. Pr. Secretary/Pr. OSD to Hon'ble Chief Minister, Rajasthan, Jaipur.
2. SA to Hon'ble Ministers-in-charge of all districts.
3. Hon'ble Chairman, River Basin Authority, Rajasthan, Jaipur.
4. Sr. Dy. Secretary to Chief Secretary, Rajasthan, Jaipur.
5. Secretary-in-charge of all districts.
6. Additional Chief Secretary, Forest & Env./PHED/RD&PR, Rajasthan, Jaipur.
7. Principal Secretary, Agriculture & Horticulture/LSG/WRD, Jaipur.
8. Secretary, PR/RD/Forest Department, Rajasthan, Jaipur.
9. Divisional Commissioners.
10. All APCCFs Sambhag Prabhari, Rajasthan.
11. Commissioner, Mahatma Gandhi NREGA, Rajasthan.
12. Commissioner, Watershed Development & Soil Conservation, Rajasthan.
13. All Chief Conservator of Forests.
14. Director, Local Bodies, Rajasthan, Jaipur.
15. All Dy. Conservators of Forests, for necessary action.



(A.K. Goel)
PCCF(HoFF)
Rajasthan, Jaipur

शपथ

राजस्थान मेरा प्रदेश है। इसकी जल, मृदा एवं वृक्ष सम्पदा हमारी धरोहर है। मैं सत्य निष्ठा के साथ/ईश्वर को साक्षी मान कर प्रतिज्ञा करता हूँ (करती हूँ) कि मैं मेरे द्वारा रोपित पौधों एवं राज्य की जल संरक्षण संरचनाओं एवं मृदा रूपी धरोहर की, एक सजग प्रहरी के रूप में, सदैव रक्षा करूंगा (करूंगी); उनकी सुरक्षा एवं उनके संवर्धन के लिए मन, वाणी एवं कर्म से प्रयत्नशील रहूंगा (रहूंगी)।